सत्यमेव जयते

राजभवन, असम की त्रैमासिक पत्रिका

राजवाणी

वर्ष-01 * अंक-02 * जून- अगस्त 2023

राजभवन, असम

राजभवन, असम की त्रैमासिक पत्रिका
राजवाणी
वर्ष-01 • अंक-02 • जून-अगस्त 2023

संपादक मंडली

संपादक
श्री एस.एस मीनाक्षी सुंदरम
माननीय राज्यपाल के आयुक्त एवं सचिव

सलाहकार संपादक
श्री निष्काम दिवाकर
माननीय राज्यपाल के विशेषाधिकारी

श्रीमती लकी विश्वास
माननीय राज्यपाल की जनसंपर्क अधिकारी

सहयोगकर्ता
श्री देवाशीष बोरा
सोशल मीडिया सहायक

श्री पूर्वज्योति वैश्य
फोटोग्राफर

पृष्ठ सज्जा
श्री शामेश्वर शर्मा

अनुक्रमणिका

1. **संपादकीय** 2
2. **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** 3-5
   ▸ एनईपी 2020 : नए भारत का विजन दस्तावेज ▸ क्रियान्वयन का आकलन
   ▸ उच्च शिक्षा विभाग के कर्णधारों और सलाहकारों के साथ की बैठक
3. **नई पहल/कार्रवाई** 5
   ▸ तेजपुर विश्वविद्यालय और बीटीसी के बीच समझौता
4. **भ्रमण एवं समीक्षा बैठकें** 6-9
   ▸ चिरांग : विकास कार्यों का लिया जायजा ▸ शोणितपुर : डीसी एवं एसपी के साथ बैठक
   ▸ बरपेटा : योजनाओं के क्रियान्वयन की ली जानकारी ▸ बाक्सा : 99% 'आधार' लिंक का निर्देश
   ▸ डिमा हसाउ : प्रशासन के साथ की समीक्षा बैठक ▸ कार्बी आंग्लांग : विभागीय विकास कार्यों पर चर्चा
   ▸ कोकराझाड़ : योजनाओं के क्रियान्वयन पर जोर ▸ धुबड़ी : विकास योजनाओं को लेकर की बैठक
5. **अधिकारियों/प्रतिनिधियों के साथ बैठक** 10-12
   ▸ के.ए.ए.सी., एन.सी.एच.ए.सी. और बी.टी.सी के अधिकारियों के साथ बैठक
   ▸ बाढ़ व भू-स्खलन पर चिन्तन ▸ राज्यपाल ने की राज्य के कृषि ▸ विभाग के कार्यों की समीक्षा
   ▸ असम की जीडीपी में योगदान के लिए वन विभाग को क्षमता बढ़ाने का निर्देश
   ▸ इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के साथ बैठक ▸ ट्रीफ के अधिकारियों से मिले
6. **राज्यपाल के कार्यक्रम** 13-16
   ▸ चांदडूबी में अमृत महोत्सव ▸ पंचायत कॉन्फ्रेंस 2023 का उद्घाटन
   ▸ नशा तस्करी को रोकने के लिए जनांदोलन जरूरी ▸ बाघों के बचाने का लें संकल्प ▸ सीमा के विषय पर चर्चा
7. **शिष्टाचार भेंट** 17
   ▸ राज्यपाल से मिले मुख्यमंत्री ▸ राज्यपाल से मिलीं अमेरिका की कांसुलेट जनरल
8. **आजादी का अमृत महोत्सव** 18-25
   ▸ कॉटन यूनिवर्सिटी में 'आजादी का अमृत महोत्सव' ▸ राजस्थान परिषद की स्मारिका का लोकार्पण
   ▸ राजभवन में पहली बार कवि सम्मेलन आयोजित ▸ राजभवन की वेबसाइट लांच
   ▸ राजभवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह ▸ निबंध लेखन और पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन
   ▸ पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता के विजेताओं के नाम
9. **राज्यपाल का प्रवास** 26-27
   ▸ पिपलांत्री में पर्यावरण संरक्षण रक्षाबंधन कार्यक्रम में की शिरकत ▸ महामहिम को डी-लिट् की मानद उपाधि
10. **संस्थानों के कार्यक्रम** 28-30
   ▸ भारत को विश्वगुरु बनाने में दें योगदान ▸ केले के बागान का किया दौरा
   ▸ जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं इंजीनियर
   ▸ मॉडल यूनाइटेड नेशंस कांफ्रेंस ▸ आईआईटी गुवाहटी और एटीडीयू का दीक्षांत समारोह
11. **राजभवन में कार्यक्रम** 31-32
   ▸ राजभवन ने मनाया तेलंगाना और पश्चिम बंगाल का राज्य दिवस
   ▸ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर किया योगाभ्यास ▸ देश भक्ति दिवस : स्व. तरुण राम फुकन को दी श्रद्धांजलि
12. **उत्सव एवं समारोह** 33-35
   ▸ अभाविप के 75वें स्थापना दिवस का समापन समारोह ▸ 15वां रासेश्वर सैकिया बरबायन सत्रीय पुरस्कार समारोह ▸ कृष्ण कांत हैंडिक स्मृति व्याख्यान ▸ राष्ट्र के विकास के लिए निष्ठा के साथ करें काम ▸ शिक्षा के साथ सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्य जरूरी
   ▸ सेवा भारती कामाख्या ट्रस्ट के नए छात्रावास का उद्घाटन
13. **ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल** 36
14. **झलकियां** 37
15. **खेल खिलाड़ी** 38
   ▸ श्री श्री अनिरुद्धदेव स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का दौरा ▸ राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप का किया उद्घाटन
16. **अन्य कार्यक्रम** 39-40
   ▸ गजराज युद्ध स्मारक पर वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि ▸ युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनें
   ▸ अपनी प्रतिभा और कौशल को निखारें ▸ रोबोटिक सर्जरी पर पत्रिका का विमोचन
   ▸ अनियमितता के लिए जांच कमेटी गठित

सम्पादकीय

प्रिय पाठकों,

राजवाणी का दूसरा संस्करण आपके सामने लाना वास्तव में एक बड़े सम्मान की बात है। इस मुद्दे में वे विभिन्न पहल और गतिविधियाँ शामिल हैं, जो माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने जून 2023 से अगस्त 2023 के दौरान की हैं। राज्यपाल ने 22 फरवरी 2023 को अपना पदभार ग्रहण किया था।

माननीय राज्यपाल के नेतृत्व में हुई सभी गतिविधियों के साक्ष्य के रूप में हमने एक समाचार पत्र निकालने का निर्णय लिया है। असम के राज्यपाल के रूप में अपने कार्यकाल के लगभग हर दिन, श्री कटारिया राजभवन, असम को एक नई ऊंचाई पर ले जाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं।

इसके अलावा, माननीय राज्यपाल अपने काम के प्रति कड़ी मेहनत, समर्पण और उत्साह के लिए बेहद जाने जाते हैं। हमें उनके बारे में और राजभवन तथा बाहर की गई उनकी गतिविधियों के बारे में पढ़ने का मौका मिलेगा। अब तक, माननीय राज्यपाल ने राज्य के सभी जिलों का दौरा किया था और जिलों के दौरे के दौरान उपायुक्तों, पुलिस अधीक्षकों, विभागों के प्रमुखों, नागरिक निकायों के सदस्यों और समाज के अन्य प्रतिनिधियों के साथ सभी बैठकों की अध्यक्षता की थी।

इस संस्करण के निर्माण में निरंतर सहयोग के लिए राजभवन के सभी सदस्यों को बहुत-बहुत धन्यवाद।

धन्यवाद!

श्री एस.एस.मीनाक्षी सुंदरम, आई.ए.एस
माननीय राज्यपाल के आयुक्त एवं सचिव

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर दो दिवसीय सम्मेलन

एनईपी 2020 : नए भारत का विजन दस्तावेज

असम में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन पर राजभवन, असम ने राज्य सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के सहयोग से 15 और 16 जून 2023 को गुवाहाटी महानगर के खानापाड़ा स्थित प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज में एक सम्मेलन का आयोजन किया। इस दो दिवसीय सम्मेलन के पहले दिन मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू की उपस्थिति में राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 नए भारत का एक विजन दस्तावेज है। इसमें नया भारत बनाने की भरपूर क्षमता है। उन्होंने कहा कि एनईपी ने भारतीय लोकाचार में निहित एक शिक्षा प्रणाली की कल्पना की है, जो भारत को एक न्यायसंगत और ज्ञानी समाज वाले देश में बदलने में योगदान देगी। उन्होंने कहा कि असम एनईपी के प्रावधानों को लागू करने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों को अपने पाठ्यक्रम में एनईपी 2020 को जवाबदेह तरीके से लागू करने के लिए काम करना चाहिए। श्री कटारिया ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि पाठ्यक्रम में बदलाव और क्रेडिट अंकों के आवंटन और संचय से संबंधित प्रभावी कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालयों से नियमित रूप से दीक्षांत समारोह आयोजित करने, प्लेसमेंट सेल का गठन करने तथा छात्रों के प्लेसमेंट के लिए कैंपस इंटरव्यू आयोजित करने को कहा।

> **असम को एनईपी क्रियान्वयन के लिए एक मॉडल राज्य बनाएं : राज्यपाल**

सम्मेलन के पहले दिन छह स्वायत्त महाविद्यालयों सहित विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने एनईपी 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन पर अपनी-अपनी प्रस्तुति दी।

दूसरे दिन एनईपी 2020 के क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। सम्मेलन के समापन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल श्री कटारिया ने सभी हितधारकों से राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन में असम को एक मॉडल बनाने के लिए विशेष कदम उठाने की अपील की। माननीय राज्यपाल ने कहा कि एनईपी 2020 के अंतर्गत व्यावसायिक और कौशल शिक्षा को योग्य स्थान मिलेगा। हमारी युवा शक्ति को उत्पादक और उद्यमशीलता संसाधनों में बदलने के लिए उनके कौशल विकास पर जोर दिया जाएगा।

क्रियान्वयन का आकलन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के क्रियान्वयन का आकलन करने के लिए 1 जुलाई 2023 को राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने उच्च शिक्षा संस्थानों के निदेशकों व प्रमुखों के साथ राजभवन में एक बैठक की। बैठक में राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अक्षरशः लागू करना शैक्षिक संस्थानों की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए उन्होंने सभी से प्रभावी एवं योजनाबद्ध तरीके से काम करने का आग्रह किया। राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि निदेशकों और कुलपतियों के पास ज्ञान व अनुभव का भंडार है। वे उनका उपयोग शैक्षिक गुणवत्ता को बढ़ाने और राज्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए करें।

माननीय राज्यपाल ने एनईपी 2020 में उल्लेखित बहु-उद्देश्यीय पाठ्यक्रम को साकार करने के लिए शिक्षा नीति के सभी प्रावधानों को सही ढंग से लागू करने पर बल दिया। कार्यक्रम के दौरान आईआईटी गुवाहाटी, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (एनआईपीईआर), केंद्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान कोकराझाड़, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और न्यायिक अकादमी, श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, कौशल विश्वविद्यालय, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी) और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, गुवाहाटी ने एनईपी 2020 के क्रियान्वयन से संबंधित अपनी-अपनी कार्य-योजना प्रस्तुत की।

- **उच्च शिक्षण संस्थानों को योजनाबद्ध तरीके और तालमेल के साथ काम करने का निर्देश**
- **निजी विश्वविद्यालयों को 10 साल को रोडमैप तैयार करने को कहा**

वहीं 3 जुलाई 2023 को राज्यपाल श्री कटारिया ने राज्य के 9 निजी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ एनईपी 2020 के क्रियान्वयन को लेकर एक बैठक की। राजभवन में आयोजित इस बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि देश भर में निजी विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने नालंदा और तक्षशिला जैसे प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालयों की विश्वव्यापी मान्यता का उल्लेख किया, जो समाज के योगदान के कारण प्रतिष्ठित हुए। माननीय राज्यपाल ने यह भी कहा कि विश्वविद्यालयों को एक सुपरिभाषित 10 वर्षीय रोडमैप के निर्माण को प्राथमिकता देनी चाहिए, जो उच्च शिक्षा के विकास के लिए एक केंद्रित दृष्टिकोण को बढ़ावा दे। इस रोडमैप में साहित्य, गायन, योग, भाषा, लोकगीत, दर्शन, वास्तु, खेल आदि सहित विभिन्न प्रकार की प्रतिभाओं को शामिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्राचीन भारतीय ज्ञान को समकालीन भारतीय ज्ञान के साथ जोड़कर, हमारे युवाओं को इस तरह शिक्षित करना चाहिए कि वे समाज की विकास और भलाई के लिए काम करने के लिए प्रेरित हों। ऐसे दृष्टिकोण के माध्यम से विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के साथ-साथ समाज, राज्य और देश के विकास में प्रभावी ढंग से योगदान दे सकते हैं। राज्यपाल श्री कटारिया ने विभिन्न विभाग के कार्यक्रमों के आदान-प्रदान होना चाहिए और सर्वोत्तम संकाय सदस्यों को सेवाकालीन प्रशिक्षण प्रदान करने पर जोर दिया। इसके अलावा छात्रों में आत्मविश्वास पैदा करने के लिए अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट और गतिविधियां आयोजित करने को कहा। प्रत्येक विश्वविद्यालय को कुछ कॉलेजों के सुधार के लिए मार्गदर्शन की जिम्मेदारी देने का भी सुझाव दिया।

उच्च शिक्षा विभाग के कर्णधारों और सलाहकारों के साथ की बैठक

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के क्रियान्वयन को लेकर राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 2 अगस्त व 25 अगस्त 2023 को उच्च शिक्षा विभाग के कर्णधारों और सलाहकारों के साथ बैठक की।

राज्यपाल श्री कटारिया ने 2 अगस्त 2023 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन का जायजा लेने के लिए असम सरकार के उच्च शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ राजभवन में एक बैठक की। इस दौरान राज्यपाल ने शिक्षा विभाग से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि उच्च शिक्षा के सभी संस्थान एनईपी 2020 के प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए अपने रोडमैप का उपयोग करें। राज्यपाल ने सुझाव दिया कि परीक्षा के परिणाम, ली गई कक्षाओं की संख्या और छात्रों की उपस्थिति को पोर्टल में अवश्य दिखाया जाना चाहिए।

वहीं 25 अगस्त 2023 को राज्यपाल श्री कटारिया ने राजभवन में उच्च शिक्षा सलाहकार समूह के साथ पहली बैठक की। बैठक के दौरान, माननीय राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा के तेजी से बदलते परिदृश्य के साथ, विशेष रूप से एनईपी 2020 के आगमन के साथ, शैक्षणिक संस्थानों को समाज के लाभ के लिए अपनी शिक्षा प्रदान करने में सक्षम बनाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि हमारा देश युवाओं का देश है और हमें अपनी युवा पीढ़ी को नए डिजिटल युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए लचीलेपन के साथ भविष्य के लिए तैयार करने के लिए अपनी शिक्षा प्रदान करनी होगी।

नई पहल

तेजपुर विश्वविद्यालय और बीटीसी के बीच समझौता

बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) के आर्थिक, कृषि और शैक्षणिक परिदृश्य में सुधार के लिए, तेजपुर विश्वविद्यालय और बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) ने राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया की उपस्थिति में तेजपुर विश्वविद्यालय, जिला शोणितपुर में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। हस्ताक्षर समारोह में बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य, बोडो साहित्य सभा के उपाध्यक्ष और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित माननीय राज्यपाल ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए जाने की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह राज्य के शैक्षणिक और समग्र विकास में योगदान के लिए बीटीआर के साथ-साथ तेजपुर विश्वविद्यालय में विकास के एक नए अध्याय की शुरुआत है। माननीय राज्यपाल ने आईईईई (इंस्टीट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स) स्मार्ट विलेज प्रोजेक्ट की भी शुरुआत की, जिसके माध्यम से शोणितपुर जिले में स्थित एक छोटे से गांव झावनी में स्थायी ग्रामीण सामुदायिक विकास कार्यक्रम चलाया जाएगा। इस परियोजना का उद्देश्य सौर ऊर्जा संचालित संयंत्र, तेल और दाल मिलों, कोल्ड स्टोरेज सुविधा और मत्स्य पालन जैसी स्मार्ट और टिकाऊ प्रौद्योगिकियों के माध्यम से ग्रामीण आजीविका के उत्थान में योगदान देना है।

चिरांग : विकास कार्यों का लिया जायजा

उन्होंने सभी चल रही सरकारी परियोजनाओं और योजनाओं को तयदिशा-निर्देशों के अनुसार गुणवत्ता बनाए रखते हुए समयबद्ध तरीके से शीघ्र पूरा करने के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव दिए। उन्होंने जिले की कानून व्यवस्था के मुद्दों पर चिरांग के पुलिस अधीक्षक और सुरक्षा बलों के प्रमुख से भी बातचीत की। उन्होंने सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों और सड़कों के किनारे वृक्षारोपण करके और अधिक हरियाली फैलाने पर भी बल दिया।

राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने 7 जून 2023 को राज्य के चिरांग जिले का दौरा किया और उपायुक्त कार्यालय में उपायुक्त सहित पुलिस अधीक्षक, सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों और संबंधित विभागों के प्रमुखों के साथ एक समीक्षा बैठक की। माननीय राज्यपाल ने कार्य की स्थिति की समीक्षा की और शिक्षा, स्वास्थ्य, जल संसाधन, कृषि आदि जैसे प्रमुख विभागों में केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं की प्रगति का आकलन किया। उन्होंने जिले की समग्र प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

बैठक में जिला उपायुक्त श्री पी. विजया भास्कर रेड्डी, पुलिस अधीक्षक श्री प्राणजीत बोरा, एडीसी प्रभारी एसडीओ (सी) श्री अभिषेक जैन उपस्थित थे। इनके अलावा बिजनी के अतिरिक्त उपायुक्त, चक्राधिकारी और चिरांग जिले के सभी विभागों के प्रमुख उपस्थित थे। मीडिया ब्रीफिंग के दौरान चिरांग जिले के संरक्षक मंत्री और हथकरघा और कपड़ा मंत्री श्री उरखाओ ग्वरा ब्रह्म भी मौजूद थे।

शोणितपुर : डीसी एवं एसपी के साथ बैठक

28 जून 2023 को राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने शोणितपुर जिले का दौरा किया और उपायुक्त कार्यालय, शोणितपुर के सभागार में उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों और जिले के सभी संबंधित विभागों के प्रमुखों के साथ एक समीक्षा बैठक की। बैठक में तेजपुर के सांसद और जिले के अंतर्गत विधान सभा के सदस्यों ने भी भाग लिया। राज्यपाल ने विभिन्न प्रमुख विभागों में केंद्र और राज्य सरकार दोनों द्वारा कार्यान्वित प्रमुख योजनाओं की स्थिति और प्रगति की व्यापक समीक्षा की। राज्यपाल ने प्रत्येक योजना के लिए निर्धारित गुणवत्ता दिशा-निर्देशों का पालन करके एक निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर सभी चल रही सरकारी परियोजनाओं और योजनाओं को पूरा करने में तेजी लाने के उद्देश्य से बहुमूल्य सुझाव भी दिए। राज्यपाल ने मनरेगा, पीएमएवाई-जी, अमृत सरोवर, पीएम किसान और पीएम टीबी मुक्ति अभियान जैसी विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति का भी जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से शराब के नकारात्मक प्रभावों को दर्शाने वाले सूचना चार्ट लगाने को कहा, जिससे छात्र सभी शैक्षणिक संस्थानों में शराब और अन्य पदार्थों के कुप्रभावों को समझ सकें। 'एक जिला एक उत्पाद' पहल के संबंध में, माननीय राज्यपाल ने जिला प्रशासन से एक उत्पाद को बढ़ावा देने के लिए कहा, जो स्वाभाविक रूप से जिले की संस्कृति और विरासत से जुड़ा हुआ है। राज्यपाल श्री कटारिया ने प्रशासन से हरे और स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देने के लिए सरकारी स्कूलों और कार्यालय परिसरों में अधिक फल देने वाले पेड़ लगाने के लिए नागरिक निकायों के साथ-साथ आम लोगों को भी प्रेरित करने को कहा।

बरपेटा : योजनाओं के क्रियान्वयन की ली जानकारी

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 28 जुलाई 2023 को बरपेटा जिले की अपनी पहली यात्रा की। सबसे पहले, राज्यपाल ने बरपेटा सत्र का दौरा किया। बरपेटा सत्र की स्थापना 500 साल से भी पहले वैष्णव संत श्री श्री माधवदेव ने की थी, जहां वे 8 वर्षों तक रहें और उन्होंने अपना बहुत सारा बेहतरीन साहित्य रचा था।

राज्यपाल श्री कटारिया ने अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि इस पवित्र सत्र का दौरा करके मैं धन्य हुआ और गौरवान्वित महसूस करता हूँ। श्रीमंत शंकरदेव और उनके शिष्य श्री श्री माधवदेव को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए माननीय राज्यपाल ने कहा कि इन महान संतों के सम्मान में विभिन्न संस्थान स्थापित किए गए, जो असम के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक जीवन की पहचान के रूप में कार्य कर रहे हैं। बाद में माननीय राज्यपाल ने सर्किट हाउस में जिला आयुक्त (डीसी), पुलिस अधीक्षक (एसपी) और जिले के सरकारी विभागों के प्रमुखों के साथ एक बैठक की। राज्यपाल श्री कटारिया ने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने डीसी से मनरेगा पर भी चर्चा की।

राज्यपाल ने पीडब्ल्यूडी, पीएचई, सिंचाई आदि जैसे विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रगति का भी जायजा लिया। जिले के पुलिस अधीक्षक ने जिले में मौजूदा कानून व्यवस्था पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी।

श्री कृष्ण गौशाला का किया दौरा : बरपेटा रोड जिले की यात्रा के दौरान राज्यपाल श्री कटारिया बरपेटारोड श्री कृष्ण गौशाला का भी दौरा किया। अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने असम में गिर गाय नस्ल को पेश करने में गौशाला के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने राज्य के डेयरी उद्योग के लिए इस नस्ल की गायों के महत्व पर जोर दिया। राज्यपाल ने बरपेटारोड में सकल दिगंबर जैन समाज का भी दौरा किया और वहां कुछ समय बिताया।

बाक्सा : 99% 'आधार' लिंक का निर्देश

असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने 29 जुलाई 2023 को बाक्सा जिले का दौरा किया। बाक्सा जिले की यात्रा के दौरान प्रमुख सचिव, बीटीसी श्री आकाश दीप और जिला आयुक्त (डीसी) श्री मसंदा मैग्डलिन पर्टिन की उपस्थिति में जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की सभी योजनाओं की समीक्षा की और बीटीसी द्वारा क्रियान्वित सभी योजनाओं का जायजा लिया। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम पर नजर डालते हुए उन्होंने जिला प्रशासन से सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूकता अभियान चलाने को कहा। उन्होंने लोगों को 'आधार' से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि लाभार्थियों को योजनाओं का पूरा उपयोग करने में मदद मिलेगी। उन्होंने 'एक राष्ट्र एक राशन कार्ड' योजना में 99 प्रतिशत आधार सीडिंग के लिए अधिकारियों की सराहना की। राज्यपाल ने लोक निर्माण विभाग (सड़क) के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार की सड़क विकास योजनाओं के कार्यों में तेजी लाने की जरूरत है। राज्यपाल ने यह भी सलाह दी कि सभी स्थानों, विशेषकर चाय बागान क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाएं पर्याप्त रूप से उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी के लिए उपयुक्त स्थान और भवन उपलब्ध होने चाहिए। उन्होंने जल जीवन मिशन की समीक्षा करते हुए योजना के क्रियान्वयन पर संतोष व्यक्त किया।

डिमा हसाओ : प्रशासन के साथ की समीक्षा बैठक

राज्यपाल ने 9 अगस्त 2023 को, डिमा हसाओ जिले और नॉर्थ कछार हिल्स ऑटोनोमस काउंसिल (एनसीएचएसी) के मुख्यालय हाफलोंग की अपनी पहली यात्रा की। राज्यपाल ने एनसीएचएसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य सहित सभी कार्यकारी सदस्यों, सचिवों, जिला आयुक्त, पुलिस अधीक्षक और विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षात्मक बैठकों की एक श्रृंखला में भाग लिया। माननीय राज्यपाल ने परिषद के दायरे में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चल रही योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने शिक्षा, लोक निर्माण, पर्यटन आदि सहित विभिन्न विभागों के कार्यों की गहराई से जांच की। जल जीवन मिशन जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए, राज्यपाल ने इन महत्वपूर्ण उपक्रमों के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के साथ चर्चा की। राज्यपाल ने राज्य के भीतर एकमात्र हिल स्टेशन के रूप में डिमा हसाओ की पर्यटन क्षमता की संभावनाओं पर जोर दिया।

राज्यपाल ने छात्र संगठनों, शीर्ष सामाजिक-सांस्कृतिक निकायों और गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र की भी अध्यक्षता की। इसके अलावा, प्रधानमंत्री आवास योजना – ग्रामीण (पीएमएवाई-जी), अरुणोदय (राज्य सरकार) और जल जीवन मिशन जैसी कई योजनाओं के लाभार्थियों ने भी राज्यपाल के साथ बातचीत की।

अम्बेडकर जी प्रतिमा का किया अनावरण

10 अगस्त 2023 को अपनी यात्रा के दूसरे दिन, राज्यपाल ने हाफलोंग शहर में डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की एक प्रतिमा का अनावरण किया। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि अम्बेडकर जी आधुनिक भारत के एक शिल्पकार हैं। राज्यपाल श्री कटारिया ने हाफलोंग सिविल अस्पताल का भी दौरा किया और मरीजों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल प्रशासन से अस्पताल में साफ-सफाई बनाए रखने को कहा। राज्यपाल ने उनकी संतुष्टि के स्तर को जानने के लिए अस्पताल में कुछ रोगियों से भी बातचीत की। बाद में, राज्यपाल ने हाफलोंग में मेमोरेंडम ऑफ सेटलमेंट (एमओएस) के तहत 'दिलाओबरा शांगिबरा समथुराओनी नोहदीरंग' नामक एक परियोजना का भी दौरा किया और उसका जायजा लिया।

कार्बी आंग्लांग : विभागीय विकास कार्यों पर चर्चा

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया 17 अगस्त 2023 को ने कार्बी आंगलोंग जिले की अपनी पहली यात्रा में, जिला मुख्यालय डिफू में कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद (केएएसी) के तहत 30 विभागों के विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने केंद्र सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों के कार्यान्वयन और उपलब्धियों पर केएएसी के अधिकारियों के साथ भी चर्चा की। राज्यपाल श्री कटारिया ने विभागीय अधिकारियों से विभिन्न विकास योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद किया। माननीय राज्यपाल ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह लाभार्थियों के सामने आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने डिफू मेडिकल कॉलेज का भी दौरा किया और डॉक्टरों और छात्रों से बातचीत की और मरीजों के लिए की गई सुविधाओं का जायजा लिया।

कोकराझाड़ : योजनाओं के क्रियान्वयन पर जोर

कोकराझाड़ के दो दिवसीय दौरे पर गए माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 21 अगस्त 2023 से कोकराझाड़ स्थित बीटीसी सचिवालय में बीटीसी के अधिकारियों के साथ बैठकें की। इन बैठकों में राज्यपाल श्री कटारिया ने बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) द्वारा क्रियान्वित की जा रही विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा की। माननीय राज्यपाल ने केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं और बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) सरकार द्वारा की गई अन्य पहलों की क्षेत्र-वार भौतिक और वित्तीय प्रगति की समीक्षा की। जल जीवन मिशन (जेजेएम) से संबंधित कार्यों के तेजी से कार्यान्वयन का आह्वान करते हुए, राज्यपाल ने अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की उचित व नियमित निगरानी करने की अपील की। उन्होंने बीटीसी के विभागीय प्रमुखों को बीटीआर के सभी चार जिलों में समान विकास सुनिश्चित करने की सलाह दी।

महामहिम राज्यपाल ने हथकरघा, रेशम उत्पादन, पर्यटन और मत्स्य पालन क्षेत्र में बीटीआर की क्षमता का पूरी तरह से उपयोग करने की बात पर जोर दिया। उन्होंने बोडोलैंड क्षेत्र के लिए उत्पादों की पहुंच बढ़ाने के लिए राष्ट्रव्यापी विपणन रणनीतियों की भी वकालत की। हाल ही में बीटीआर सरकार द्वारा शुरू किए गए ग्रीन बोडोलैंड मिशन के महत्व को स्वीकार करते हुए माननीय राज्यपाल ने बीटीआर में औषधीय और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण पौधों और पेड़ों के रोपण की आवश्यकता पर जोर दिया। राज्यपाल ने बीटीआर पदाधिकारियों से प्रधानमंत्री आवास योजना के शीघ्र क्रियान्वयन के लिए हितधारकों के साथ ब्लॉक-स्तरीय परामर्श करने और जमीनी स्तर पर समस्याओं की पहचान करने को कहा।

धुबड़ी : विकास योजनाओं को लेकर की बैठक

22 अगस्त 2023 को राज्यपाल श्री कटारिया ने धुबड़ी जिले का दौरा किया और जिला आयुक्त कार्यालय में जिला आयुक्त और विभागों के प्रमुखों के साथ एक समीक्षा बैठक की। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार के प्रमुख कार्यक्रम की समीक्षा की और यह सुनिश्चित करने को कहा कि विभिन्न योजनाओं का लाभ जमीनी स्तर पर लोगों तक पहुंचे। राज्यपाल श्री कटारिया ने अधिकारियों से बातचीत करते हुए सभी लंबित कार्यों को यथाशीघ्र पूरा करने को कहा। उन्होंने जिले में मनरेगा योजना, अरुणोदय, पीएमएवाई (जी) और अन्य योजनाओं का भी जायजा लिया और पीएमजेएवाई आयुष्मान कार्ड, पीएमजेएवाई-ईकेवाईसी आदि की स्थिति के बारे में जानकारी ली। राज्यपाल ने सरकारी योजनाओं के कुछ लाभार्थियों से भी मुलाकात की और उनसे बातचीत की। राज्यपाल ने जिले में अशारीकांडी टेराकोटा क्राफ्ट विलेज का भी दौरा किया और स्थानीय कारीगरों के साथ बातचीत की और कला में उनकी भागीदारी के लिए उनकी और पूरे क्षेत्र के निवासियों की सराहना की। बाद में दिन में, राज्यपाल ने ब्रह्मपुत्र पर धुबड़ी-फुलबाड़ी पुल के निर्माण स्थल का दौरा किया और पुल की प्रगति का जायजा लिया और निर्माण कार्य के संबंध में विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की। राज्यपाल ने धुबड़ी शहर में गुरु तेग बहादुर गुरुद्वारे का भी दौरा किया और प्रार्थना की। 23 अगस्त 2023 को अपनी यात्रा के दूसरे दिन, राज्यपाल ने सत्राल में भारत-बांग्लादेश सीमा का दौरा किया, जहां उन्होंने स्थानीय लोगों और सीमा सुरक्षा बल के सुरक्षा कर्मियों के साथ बातचीत की। राज्यपाल ने धुबड़ी के सत्राल में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास स्थित एक वैष्णव सत्र रामरायकुटी सत्र का भी दौरा किया, जिसकी स्थापना 16वीं शताब्दी में महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव ने की थी।

के.ए.ए.सी., एन.सी.एच.ए.सी. और बी.टी.सी के अधिकारियों के साथ बैठक

परिषदों के विकास में सहयोग का आश्वासन

कार्बी आंग्लांग स्वायतशाषी परिषद

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 5 जुलाई 2023 को राजभवन में कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद (केएएसी) के अधिकारियों के साथ दो अलग-अलग बैठकों की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान राज्यपाल ने केएएसी के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों के विकास के मुद्दों पर चर्चा की। राज्यपाल ने स्वायत्त परिषद की गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने जन कल्याण के लिए चलाए गए सरकारी कार्यक्रमों और योजनाओं की भी समीक्षा की। माननीय राज्यपाल ने केएएसी के प्रधान सचिव को चाय बागान क्षेत्रों में साक्षरता दर बढ़ाने और केंद्र सरकार की प्रमुख योजनाओं के कार्यान्वयन पर विशेष ध्यान रखने को कहा। साथ ही उन्होंने परिषद के अधिकारियों से कार्बी आंगलोंग और डिमा हसाओ में 'मुख्यमंत्री उन्नत पकीपथ निर्माण आचोनी' नामक मुख्यमंत्री सड़क विकास परियोजना के क्रियान्वयन सहित ई-केवाईसी और आधार-सीडिंग के क्रियान्वयन पर ध्यान देने को कहा।

उत्तर कछार पर्वतीय स्वायतशाषी परिषद

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 5 जुलाई 2023 को राजभवन में उत्तर कछार हिल्स स्वायत्त परिषद (एनसीएचएसी) के अधिकारियों के साथ दो अलग-अलग बैठकों की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान राज्यपाल ने एनसीएचएसी के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों के विकास के मुद्दों पर चर्चा की। राज्यपाल ने स्वायत्त परिषद की गतिविधियों का जायजा लिया। उन्होंने जन कल्याण के लिए चलाए गए सरकारी कार्यक्रमों और योजनाओं की भी समीक्षा की।

माननीय राज्यपाल ने एनसीएचएसी अधिकारियों को जल जीवन मिशन, पीएमएवाई, आधार सीडिंग आदि जैसी विभिन्न योजनाओं की प्रगति का समय-समय पर आकलन करने के लिए कहा। राज्यपाल ने अधिकारियों से योजना के सुचारू क्रियान्वयन के लिए रणनीति बनाने और प्रभावी दृष्टिकोण को अपनाने की सलाह दी।

बोड़ोलैंड क्षेत्रीय परिषद

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 6 जुलाई 2023 को राजभवन में बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) श्री प्रमोद बोरो और परिषद के अन्य अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। बीटीसी के सीईएम ने विकास कार्यों की एक प्रस्तुति दी। उन्होंने क्षेत्र के लोगों के कल्याण के लिए बोडोलैंड प्रादेशिक क्षेत्र (बीटीआर) की सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही केंद्र प्रायोजित प्रमुख योजनाओं और सामाजिक कल्याण परियोजनाओं की प्रगति पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बीटीआर में विकास गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए राज्यपाल का मार्गदर्शन और समर्थन भी मांगा। राज्यपाल श्री कटारिया ने अधिकारियों से कृषि पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने उनसे मछली पालन और मशरूम की खेती को बढ़ावा देने के लिए भी कहा।

बाढ़ व भू-स्खलन पर चिन्तन

राजभवन में 18 जुलाई 2023 को राज्यपाल ने जल संसाधन और जन स्वास्थ्य और अभियांत्रिकी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दो बैठकों की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान, जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने राज्य में चल रही बाढ़ प्रबंधन नीतियों की जानकारी दी। विभाग ने असम में बाढ़ और कटाव से उत्पन्न चुनौतियों पर प्रकाश डाला। असम की बाढ़ और नदी कटाव प्रबंधन एजेंसी (एफआरईएमएए) द्वारा एक कार्य योजना भी पेश की गई। इस बीच राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि बाढ़ के त्वरित और सटीक सूचना के अभाव में जान-माल का काफी नुकसान होता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि समय पर और सटीक जानकारी विभाग के पदाधिकारियों को बाढ़ प्रभावित लोगों के बचाव और पुनर्वास के लिए ठोस उपाय करने में सक्षम बनाती है। इसके अलावा, माननीय राज्यपाल ने नदी के किनारे के क्षेत्रों की भूमि पर ध्यान आकर्षित किया, जो बाढ़ के दौरान जलमग्न हो जाती है, लेकिन बाढ़ के मौसम के बाद अप्रयुक्त रह जाती है। उन्होंने इन क्षेत्रों में अस्थायी खेती करने के लिए किसानों को प्रेरित करने की सलाह दी।

राज्यपाल ने की राज्य के कृषि विभाग के कार्यों की समीक्षा

राजभवन में 19 जुलाई 2023 को राज्यपाल ने कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान कृषि विभाग के अपर मुख्य सचिव ने विभाग की गतिविधियों पर प्रस्तुततिकरण दिया। बैठक में राज्यपाल श्री कटारिया ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, खाद्य और पोषण सुरक्षा मिशन और राष्ट्रीय खाद्य तेल, तेल बीज मिशन (एनएमईओ-ओएस) जैसी योजनाओं की प्रगति के बारे में भी जानकारी ली। एनएमईओ-ओएस के संबंध में राज्यपाल ने अधिकारियों को पाम तेल की खेती और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

असम की जीडीपी में योगदान के लिए वन विभाग को क्षमता बढ़ाने का निर्देश

26 जुलाई 2023 को राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने राजभवन में आयोजित एक बैठक में पर्यावरण और वन विभाग की समीक्षा की, जहां पर्यावरण और वन विभाग, असम के अतिरिक्त मुख्य सचिव ने विभाग की गतिविधियों पर एक प्रस्तुतिकरण दिया। बैठक में राज्यपाल ने अवैध शिकार को रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का भी जायजा लिया। उन्होंने सरकार द्वारा राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभयारण्यों और आरक्षित वनों में अपनाई गई संरक्षण पहलों का भी जायजा लिया। राज्यपाल ने अधिकारियों से वन्यजीवों के लिए हरियाली बढ़ाने को भी कहा।

इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी के साथ बैठक

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 14 जुलाई 2023 को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के कामकाज का अवलोकन करने के उद्देश्य से रेड क्रॉस के अधिकारियों के साथ एक बैठक की। राजभवन में आयोजित इस बैठक में राज्यपाल ने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, असम राज्य शाखा की गतिविधियों का जायजा लिया। बैठक में राज्यपाल ने सभी अधिकारियों से मानवीय सेवाएं प्रदान करने के लिए एकजुट होकर काम करने की अपील की। आईआरसीएस, असम राज्य शाखा के महासचिव ने राज्य भर में की जा रही गतिविधियों और संकट की स्थितियों के दौरान संगठन के सुचारू संचालन के लिए प्रमुख कार्यात्मक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया।

ट्रीफ के अधिकारियों से मिले

ट्रांसफॉर्मिंग रूरल इंडिया फाउंडेशन (टीआरआईएफ) के प्रबंध निदेशक के साथ राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 14 जुलाई को एक बैठक की। राजभवन में आयोजित इस बैठक में राज्यपाल ने सेवाओं के उपयोग की प्रणाली पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने अपने सचिवालय को आकांक्षित उद्देश्य को पूरा करने में मदद करने के लिए एक ब्लू प्रिंट तैयार करने हेतु टीआरआईएफ और साथ ही राज्य और विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के व्यापक विकास को प्रभावी ढंग से मार्गदर्शन और सुविधा प्रदान करने के लिए राज्यपाल सचिवालय को और मजबूत करने की सलाह दी। बैठक में राज्यपाल सचिवालय, जो कुलाधिपति सचिवालय भी है, को राज्य के साथ-साथ उच्च शिक्षण संस्थानों की बेहतरी के लिए टीआरएफआई द्वारा प्राप्त सहयोग पर भी चर्चा हुई।

चानडुबी में अमृत वृक्षारोपण

आजादी के अमृत काल को हरे-भरे वैभव से समृद्ध करने की दृष्टि से, राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 8 जून 2023 को, कामरूप जिले के अंतर्गत चानडूबी में अमृत वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया। उन्होंने असम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम में भी भाग लिया, जिसमें विभिन्न पेड़ों के कुल 500 पौधे लगाए गए।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी अच्छी तरह देखभाल करनी चाहिए। उन्होंने सभी से वृक्षारोपण गतिविधियों में शामिल होने और अपने जन्मदिन या अन्य महत्वपूर्ण अवसरों पर पेड़ लगाने की परंपरा स्थापित करने की अपील की। कार्यक्रम में असम की प्रथम महिला, माननीय पर्यावरण एवं वन मंत्री, असम के अन्य कैबिनेट मंत्री, सांसद, विधायक और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। पर्यावरण के महत्व को स्वीकार करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भारत में, प्राचीन काल से ही पर्यावरण के महत्व को मान्यता दी गई है। हमारे ऋषियों और विद्वानों ने प्रकृति का सम्मान किया और इसे अपना घर बनाया। उन्होंने कहा कि गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर ने हमारी भारतीय संस्कृति को 'अरण्य संस्कृति' कहा है।

उन्होंने प्रकृति और हमारी विरासत के बीच घनिष्ठ संबंध को उजागर किया है। उन्होंने निडर अमृता देवी का जिक्र करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में राजस्थान के बिश्नोई समुदाय के 363 लोगों ने पेड़ों को बचाने के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया था। भारतीय वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बसु का जिक्र करते हुए राज्यपाल ने कहा कि डॉ. बसु ने प्रयोगों से यह सिद्ध किया है कि पौधों में भी अन्य प्राणियों की तरह सुख-दु:ख का अनुभव करने की क्षमता होती है।

राज्यपाल श्री कटारिया ने आगे कहा कि समय की मांग है कि हमारी युवा पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने सभी से लगातार वृक्षारोपण गतिविधियों में शामिल होने और जन्मदिन या अपने जीवन के अन्य महत्वपूर्ण अवसरों जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर पेड़ लगाने की परंपरा स्थापित करने की भी अपील की।

पंचायत कॉन्फ्रेंस 2023 का उद्घाटन

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 8 जुलाई 2023 को, गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में असम विधान सभा द्वारा आयोजित पंचायत सम्मेलन 2023 – चरण ॥ का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि लोकतंत्र में पंचायती राज व्यवस्था भारत की प्रशासनिक प्रणाली के मूल स्तंभ है और यह व्यवस्था भारत में अत्यधिक महत्व रखती है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि भारत गांवों का देश है और देश की आधी से अधिक आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है। इसलिए, हमारे गांवों का आगे बढ़ना और राष्ट्रीय विकास का उत्प्रेरक बनना महत्वपूर्ण है। राज्यपाल ने एक ऐसा वातावरण तैयार करने की वकालत की, जहां ग्रामीण क्षेत्रों के संसाधनों का उपयोग गांवों से संबंधित मानव संसाधनों के विकास के लिए किया जा सके। उन्होंने गांवों में रोजगार सृजन की जरूरत भी दोहराई ताकि कोई भी बेरोजगार न रहे। उन्होंने ग्रामीण विकास के लिए लक्ष्य निर्धारित करने पर भी जोर दिया और इन लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए गांवों के त्वरित विकास के लिए ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाना चाहिए।

राज्यपाल श्री कटारिया ने महिला सशक्तिकरण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि पंचायती राज व्यवस्था के तहत निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को प्रेरित करने के साथ-साथ उनकी बेलगाम ऊर्जा का उपयोग विकास में करना जरूरी है। पंचायती राज संस्थाओं के कामकाज में पारदर्शिता लाने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी का भी उपयोग किया जाना चाहिए। माननीय राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि सम्मेलन लोगों के उत्थान के लिए जन प्रतिनिधियों को प्रेरित, सशक्त और नई प्रेरणा देगा तथा जमीनी स्तर पर पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करेगा।

उन्होंने विकास कार्यों में पारदर्शिता लाने के लिए पंचायती राज संस्थाओं के कामकाज में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर दिया। राज्यपाल ने उम्मीद जताई कि यह सम्मेलन कल्याणकारी कार्यों के लिए जन प्रतिनिधियों को एक नई प्रेरणा देगा एवं जमीनी स्तर पर पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत भी करेगा।

इससे पहले असम विधानसभा के अध्यक्ष श्री बिश्वजीत दैमारी ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि संसदीय लोकतंत्र में जमीनी स्तर पर सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पंचायती राज संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह पंचायत सम्मेलन राज्य में लोगों के कल्याण के लिए समग्र दृष्टिकोण को मजबूत करने की एक पहल है। श्री दैमारी ने कहा कि सम्मेलन में उठाए गए और चर्चा किए गए मुद्दे सिस्टम को सशक्त बनाने और लोगों को बेहतर तरीके से सेवा देने में मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि असम विधानसभा सम्मेलन में हितधारकों द्वारा उठाए गए सुझावों, मुद्दों आदि को शामिल करते हुए एक रिपोर्ट तैयार करेगी और संस्थानों में आवश्यक संशोधन के लिए रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी जाएगी।

नशा तस्करी को रोकने के लिए जनांदोलन जरूरी

अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के मौके पर सामाजिक संगठन 'व्यतिक्रम मासडो' द्वारा आयोजित एक जागरूकता कार्यक्रम में राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि नशा न केवल एक विकृत व्यवहार है, बल्कि एक गंभीर सामाजिक समस्या है। मानसिक तनाव, अवसाद, चिंता और उचित मार्गदर्शन के अभाव के कारण कुछ युवा मुख्य धारा से भटक रहे हैं और परिणामस्वरूप वे विनाश की ओर जा रहे हैं। अज्ञानता के कारण युवा नशे की दलदल में फंसते जा रहे हैं। इससे उनकी सेहत और कैरियर पर बुरा असर पड़ रहा है। राज्यपाल ने आह्वान किया कि यह वास्तव में एक गंभीर मामला है, क्योंकि बच्चे और युवा इस देश का भविष्य हैं।

राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि नशीली दवाओं और पदार्थों का दुरुपयोग और उनकी अवैध तस्करी न केवल भारत में, बल्कि दुनिया भर के देशों में एक गंभीर चिंता का विषय है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग का व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों के स्वास्थ्य और कल्याण पर व्यापक प्रभाव पड़ता है।

राज्यपाल ने युवाओं को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करने में माता-पिता और शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने युवा पीढ़ी से नशे से दूर रहकर स्वस्थ जीवन जीने और राष्ट्र के विकास में योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि पारिवारिक संबंध मजबूत होने चाहिए और माता-पिता को अपने बच्चों को समय देना चाहिए और नियमित रूप से उनसे बात करनी चाहिए, उनकी ताकत और कमजोरियों को समझना चाहिए। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के विषय पर युवाओं को जागरूक करने में शिक्षक भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

साक्षात्कार

दूरदर्शन केंद्र, असम के स्टूडियो में 1 अगस्त 2023 को 'दृष्टि आरू जूक्ति' (दृष्टि और योजना) शीर्षक पर आयोजित साक्षात्कार कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया।

बाघों के बचाने का लें संकल्प

बाक्सा जिले के मानस राष्ट्रीय उद्यान में 29 जुलाई 2023 को आयोजित Global Tiger Day के कार्यक्रम में राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में उन्होंने Annual Wildlife Monitoring Result और Manas Tiger Atlas का लोकार्पण किया। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल ने बाघों की सुरक्षा के लिए सभी से मिलकर काम करने की अपील करते हुए कहा कि वनों की कटाई, शहरीकरण और मानव अतिक्रमण जैसी मानवीय गतिविधियों ने बाघों के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा पैदा कर दिया है, जिससे बाघों को छोटे और खंडित क्षेत्रों में रहने के लिए मजबूर होना पड़ा है। राज्यपाल ने कहा कि बाघों की सुरक्षा करना सभी का कर्तव्य होना चाहिए, क्योंकि इससे प्रकृति का संतुलन बना रहता है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि मानस राष्ट्रीय उद्यान को एक मॉडल राष्ट्रीय उद्यान के रूप में विकसित किया जाना है, जो शीर्ष स्तर की सुविधाएं प्रदान करेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मानस को और अधिक लोकप्रिय बनाने के लिए सक्रिय रूप से प्रचार-प्रसार करने और जागरूकता बढ़ाने की सलाह दी। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि पार्क में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए सरकार और लोगों दोनों को मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से हाथियों के लिए अधिक केले के पौधे उगाने को कहा, ताकि हाथी भोजन के लिए मानस से बाहर न जाएं।

सीमा के विषय पर चर्चा

गुवाहाटी में 7 जुलाई 2023 को, राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने सीमांत चेतना मंच, पूर्वोत्तर के तत्वावधान में तथा राष्ट्रीय सीमा अध्ययन संस्थान (एनआईबीएस) द्वारा आयोजित 'सीमा के विषय पर चर्चा' नामक कार्यक्रम का उद्घाटन किया। अंतर्राज्यीय और अंतर्राष्ट्रीय सीमा संबंधी मुद्दों पर अधिक जागरूकता पैदा करने और सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास को कैसे तेज किया जा सकता है, इसके लिए शैक्षणिक संस्थानों के बीच एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार उत्तर पूर्व क्षेत्र के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्र की अपार संभावनाओं को देखते हुए माननीय प्रधानमंत्री ने इसे 'अष्टलक्ष्मी' और भारत के विकास का नया इंजन करार दिया है। उत्तर पूर्व के लिए विभिन्न विकास पहलों का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, क्षेत्र में हवाई अड्डों की संख्या 9 से बढ़कर 16 हो गई है, और उड़ानों की संख्या 2014 से पहले लगभग 900 से बढ़कर लगभग 1900 हो गई है। उत्तर पूर्व के साथ किए गए विशेष व्यवहार के परिणामस्वरूप, सभी राज्यों ने पहली बार भारत के रेलवे मानचित्र पर अपनी जगह बनाई है। इसके साथ ही जलमार्गों के विस्तार के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं।

राज्यपाल से मिले मुख्यमंत्री

विकास पहलों पर की चर्चा

असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने 24 अगस्त 2023 को राजभवन में राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात की और राज्य के विकास से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। दोनों ने शिक्षा सहित सरकार की विकास पहलों से संबंधित राज्य के मुद्दों पर चर्चा की। इसके अलावा, मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने माननीय राज्यपाल को उन योजनाओं से भी अवगत कराया जो सरकार राज्य के सभी वर्गों के लोगों के कल्याण के लिए उठा रही है। मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने राजभवन से संबंधित कुछ गतिविधियों पर भी चर्चा की।

राज्यपाल से मिलीं अमेरिका की कांसुलेट जनरल

कोलकाता में अमेरिका की कांसुलेट जनरल सुश्री मेलिंडा पावेक ने 8 जून 2023 को राजभवन में राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया से मुलाकात की और कई मुद्दों पर चर्चा की। राज्यपाल ने उन महत्वपूर्ण क्षेत्रों के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए, जहां असम और अमेरिका उच्च शिक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नए अनुसंधानों एवं नवाचारों के अवसर तलाश सकते हैं। राज्यपाल ने भारत सरकार द्वारा पूरे पूर्वोत्तर, विशेष रूप से असम में उन क्षेत्रों में किए गए बड़े निवेश के बारे में भी बताया, जिनमें फार्मास्युटिकल क्षेत्र, मानव संसाधन विकास, कौशल विकास आदि क्षेत्रों में सहयोग की गुंजाइश है। मुलाकात के दौरान अमेरिकी दूत ने अमेरिकी सरकार की ओर से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

कॉटन यूनिवर्सिटी में आजादी का अमृत महोत्सव

कॉटन यूनिवर्सिटी द्वारा सांस्कृतिक मामलों के निदेशालय, असम सरकार और बांग्ला साहित्य सभा, असम के सहयोग से कॉटन यूनिवर्सिटी परिसर में 11 अगस्त 2023 को 'आजादी के अमृत महोत्सव' के एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि जब भी देश आजादी का जश्न मनाता है, तो देशवासी न केवल महान नेताओं की वीरता और देशभक्ति को याद करते हैं, बल्कि देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीर शहीदों की वीरता और बलिदान को भी याद करते हैं। राज्यपाल ने कहा कि आज हमें जो आजादी मिली है, उसमें प्रत्येक भारतीय का योगदान है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले 75 वर्षों के दौरान, पूर्वोत्तर ने विभिन्न मापदंडों पर महत्वपूर्ण प्रगति की है और पिछले कुछ वर्षों के दौरान सड़क, रेल, वायुमार्ग और जलमार्ग कनेक्टिविटी तेजी से बढ़ी है। गौरतलब है कि सांस्कृतिक कार्यक्रम संस्कृत, हिंदी, असमिया, बांग्ला और बोडो भाषाओं में आयोजित किए गए थे, जो 'विविधता में एकता' का संदेश देते थे।

माननीय राज्यपाल ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व की बात है कि आजादी का अमृत महोत्सव कॉटन यूनिवर्सिटी में मनाया जा रहा है, जो पूर्वोत्तर में ज्ञान की लौ जलाने वाला पहला और प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान है। इस विश्वविद्यालय का अपने आप में एक स्वर्णिम इतिहास है। यह वही स्थान है, जहां से देश के कई सपूतों ने अपनी शिक्षा पूरी की और अपना जीवन देश की सेवा में समर्पित कर दिया। इस शिक्षण संस्थान ने न केवल हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम की कई गौरवशाली घटनाओं को देखा है, बल्कि आजादी की लड़ाई में भी अहम भूमिका निभाई है। कटारिया ने यह भी कहा कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' के साथ अब हम 'अमृत काल' में प्रवेश कर रहे हैं। अब से पच्चीस साल बाद, जब हम आजादी की शताब्दी मनाएंगे, मुझे यकीन है कि पूर्वोत्तर और अधिक विकसित हो जाएगा।

राजस्थान परिषद की स्मारिका का लोकार्पण

अपने कोलकाता प्रवास के दौरान 13 अगस्त 2023 को राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने राजस्थान परिषद द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव स्मारिका लोकार्पण समारोह में शिरकत की। इस समारोह में उन्होंने 'आजादी का अमृत महोत्सव' नामक एक पुस्तक का विमोचन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने राजस्थान परिषद के सदस्यों तथा कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को देश के 77वें स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी।

राजभवन में पहली बार कवि सम्मेलन आयोजित

देश के 77वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त 2023 को राजभवन, असम में राज्यपाल एवं प्रथम महिला की उपस्थिति में कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। कवि सम्मेलन में बड़ी संख्या में आमंत्रित अतिथि जैसे गुवाहाटी के सांसद, वरिष्ठ नागरिक, पुलिस और सैन्य अधिकारी, विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों, गैर सरकारी संगठनों के सदस्यों के साथ-साथ कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सम्मेलन में अपने विचार व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भारत की आजादी हमारे देशवासियों के बलिदानों से सुरक्षित हुई, जिनके अविस्मरणीय धैर्य ने हमें खुलकर सांस लेने और आजादी का जश्न मनाने का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने यह भी कहा कि कविता स्वतंत्रता के लिए हमारे संघर्ष की कहानी को व्यक्त करने में एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में खड़ी है और यह अभिव्यक्ति का एक सुंदर माध्यम है, जो न केवल लोगों को रोमांचित करती है, बल्कि समाज में एक सकारात्मक माहौल भी पैदा करती है और लोगों में जागरूकता पैदा करती है। इसमें जाने-माने कवि श्री अजीत राव, सरदार मंजीत सिंह, श्री अशोक चारण, श्री दिनकर कुमार, श्रीमती पुष्पा सोनी, श्रीमती कविता बेड़िया, श्री किशोर जैन, श्री रवि शंकर रवि, श्री मनोज नायब और श्री सौमित्रम ने भाग लिया।

राजभवन की वेबसाइट लांच

राजभवन, असम की आधिकारिक वेबसाइट का अनावरण राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया द्वारा 14 अगस्त, 2023 को राजभवन और एनआईसी के अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में किया गया। वेबसाइट को असम सरकार द्वारा निर्धारित सभी मानक प्रोटोकॉल के आधार पर डिजाइन किया गया है। इस अवसर पर राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि राजभवन जैसे संस्थान के लिए वेबसाइट बहुत महत्वपूर्ण है। माननीय राज्यपाल ने डिजिटल इंडिया मिशन का जिक्र करते हुए कहा कि यह वेबसाइट राजभवन और जनता की निकटता को और अधिक बल देगा।

राजभवन में स्वतंत्रता दिवस समारोह

राज्यपाल ने 15 अगस्त 2023 को 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर, राजभवन में राजभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। सीआरपीएफ जवानों ने 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया और असम पुलिस बैंड ने राष्ट्रगान बजाया। राज्यपाल ने असम के सभी लोगों को स्वतंत्रता दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दीं।

बाद में, राज्यपाल और प्रथम महिला ने राजभवन के सभी कर्मचारियों और परिवार के सदस्यों को मिठाइयाँ बांटीं। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शाम को राजभवन लॉन में 'एट होम' समारोह का आयोजन किया गया। असम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा, असम विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री बिश्वजीत दैमारी, पूर्व राज्यपाल, असम के पूर्व मुख्यमंत्री श्री प्रफुल्ल कुमार महंता,

गौहाटी उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधीश श्री संदीप मेहता के साथ-साथ राज्य के माननीय मंत्रीगण, असम विधानसभा में विपक्ष के नेता, गुवाहाटी में बांग्लादेश के सहायक उच्चायुक्त, गुवाहाटी में भूटान के उप महावाणिज्यदूत, सांसद, विधायक, पद्म पुरस्कार विजेता, वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, प्रसिद्ध कलाकार, खेल हस्तियां, विभिन्न राष्ट्रीय पुरस्कारों के विजेता, शिक्षाविद्, पर्यावरणविद्, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कर्मी, विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संगठनों के प्रतिनिधि, विशिष्ट नागरिक और कई अन्य आमंत्रित लोग 'एट होम' कार्यक्रम में शामिल हुए। राज्यपाल ने सभी से बातचीत की। सभी ने 'हाई टी' का आनंद उठाया। इस अवसर पर शहर के एक निजी स्कूल के पुरस्कार विजेता स्कूल बैंड, जिसमें लड़के और लड़कियां शामिल थे, ने बैंड बजाया और अपने उत्कृष्ट मधुर प्रदर्शन से सभी को मंत्रमुग्ध किया।

CADET CORPS

स्वतंत्रता दिवस पर निबंध लेखन और पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन

देश के 77वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में राजभवन, असम में स्वतंत्रता दिवस समारोह की श्रृंखला के एक भाग के रूप में, 14 अगस्त, 2023 को राजभवन में एक निबंध लेखन और पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ये दोनों प्रतियोगिताओं का विषय 'आजादी का अमृत महोत्सव' था। कक्षा 8 से कक्षा 12 तक कुल 102 छात्र-छात्राओं ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इमें 50 विद्यार्थियों ने निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया, जबकि 52 छात्र-छात्राओं ने पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। गौहाटी आर्टिस्ट गिल्ड के सहयोग से आयोजित इन दोनों प्रतियोगिताओं के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार विजेताओं को राज्यपाल द्वारा ट्रॉफी एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव देश के उन सभी छात्रों और युवाओं को समर्पित है, जो भारत को एक महाशक्ति बनाने में योगदान दे रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि युवा वर्ग देश की शक्ति है, इसलिए छात्रों को देश के इतिहास और विरासत के बारे में जानना जरूरी है। राज्यपाल ने प्रतिभागियों को बधाई दी और उनसे बड़े सपने देखने और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।

विद्यार्थियों की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि राष्ट्र के स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर उनकी भागीदारी राष्ट्र के प्रति उनके प्रेम को दर्शाती है। उनकी भागीदारी से उन्हें अपनी सकारात्मकता और नकारात्मकता को समझने और जीत और हार को खेल के साथ लेने में भी मदद मिली। श्री कटारिया ने बच्चों को अपनी कला और निबंध के माध्यम से भारत की आजादी की कल्पना को व्यक्त करते हुए देखकर खुशी व्यक्त की और कहा कि आपको अपने रास्ते में आने वाली सभी प्रकार की चुनौतियों और बाधाओं का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। प्रतियोगिताओं में भाग लेने से आत्मविश्वास का स्तर बढ़ता है और आपको अपने आप को बेहतर तरीके से जानने के लिए मदद मिलती है।

राज्यपाल ने प्रतिभागियों को बधाई दी और उनसे बड़े सपने देखने और अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करने को कहा। उन्होंने बच्चों को उनके रचनात्मक सपनों को आगे बढ़ाने में प्रेरित करने में उनकी भूमिका के लिए स्कूल अधिकारियों और आर्टिस्ट गिल्ड के सदस्यों को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे अपने सपनों को आगे बढ़ाने की तीव्र इच्छा पैदा करें और एक बार जब उनके सपने पूरे हो जाएं तो उन्हें अपनी मातृभूमि की सेवा के लिए आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम में माननीय राज्यपाल के आयुक्त एवं सचिव श्री एस.एस.मीनाक्षी सुन्दरम, गौहाटी आर्टिस्ट गिल्ड, राजभवन के अधिकारी और कर्मचारी सहित छात्र उपस्थित थे।

पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता के विजेताओं के नाम

प्रथम स्थान

तान्या मेधी

दूसरा स्थान

निष्ठा प्रियम शर्मा

तीसरा स्थान

रिचा डेका

चौथा स्थान

दिबाश्री दास

5वां
स्थान
अभिश्रुति शिवम

7वां
स्थान
मंजिस्ठा दास

8वां
स्थान
कुकुस्मिता

6वां
स्थान
ज्योतिर्मय दास

9वां
स्थान
पार्थ प्रतीम पाठक

10वां
स्थान
महास्विन कुमार
स्वर्गियारी

राजस्थान के पिपलांत्री में पर्यावरण संरक्षण रक्षाबंधन कार्यक्रम में की शिरकत

असम के राज्यपाल श्री गुलाबचंद कटारिया 29 अगस्त 2023 को राजस्थान के उदयपुर जिले में स्थित पिपलांत्री गांव पहुंचे। यहां हर वर्ष मनाए जाने वाली पर्यावरण संरक्षण रक्षाबंधन कार्यक्रम में उन्होंने शिरकत की। यहां पहुंचने पर श्री कटारिया का पूर्व सरपंच व 'पद्मश्री' सम्मान से सम्मानित श्री श्याम सुंदर पालीवाल ने उनका भव्य स्वागत किया। वहीं इस मौके पर कारगिल युद्ध के योद्धा श्री योगेंद्र यादव भी इस मौके पर पहुंचे। उनका भी सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में राज्यपाल श्री गुलाबचंद कटारिया का बेटियों ने रक्षा सूत्र बांधकर स्वागत किया। इस मौके पर श्री कटारिया ने पौधारोपण किया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस अवसर पर आयोजित समारोह को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुए महामहिम राज्यपाल श्री गुलाबचंद कटारिया ने कहा कि पर्यावरण का जो महत्व है, वह पिपलांत्री मॉडल ने सबको समझाया है और बाकी पंचायतें भी इस तरह का कदम उठाए तो प्रदेश ही नहीं देश में लोगों को पर्यावरण का महत्व अच्छी तरह से समझ में आ जाएगा। पिपलांत्री ग्राम में बीते 20 वर्षों में जल व पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में हुए कार्यों की सराहना करते हुए श्री कटारिया ने कहा कि श्री श्यामसुन्दर पालीवाल ने पूरी निष्ठा एवं समर्पण भाव से जो यहां कार्य किए, वे दशकों तक याद किए जाएंगे। जल व पर्यावरण संरक्षण के लिए यहां हुए कार्य उनकी कड़ी मेहनत, दृढ़ निश्चय एवं जुनून को दर्शाते हैं। ऐसा कर पाना हर किसी के बस की बात नहीं होती है। उन्होंने कहा कि यदि सभी जगह ऐसे काम होने लग जाए तो देश की उन्नति अपने आप हो जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि हम पर्यावरण का संरक्षण करेंगे तो हमारी पीढ़ियां सुरक्षित हो सकेगी। नैतिकता का पाठ पढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि हम कहीं भी जाएं, देखेंगे कि व्यक्ति की नहीं, बल्कि मूल्यों की पूजा होती है, सोना-चांदी, धन-सम्पदा, बंगला-गाड़ी की पूजा नहीं होती। जो व्यक्ति देश के लिए जीता है, देश उसे ही याद करता है। वहीं राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने भी पर्यावरण प्रेमी श्याम सुंदर पालीवाल के इस कार्य की सराहना की।

बेटियां और महिलाएं पेड़ों को बांधती हैं राखी

राजस्थान के उदयपुर में एक गांव ऐसा है, जहां प्रकृति को बढ़ावा देने के लिए रक्षाबंधन का पर्व अनूठे अंदाज में मनाया जाता है. यहां वर्षों पुरानी परंपरा का निर्वहन आज भी पूरे विधि विधान के साथ पूरा किया जा रहा है। दरअसल राजसमंद जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर पिपलांत्री गांव परिचय का मोहताज नहीं है। इस

गांव की बहन बेटियों ने प्रकृति को संवारने का एक ऐसा अनूठा बीड़ा उठाया, जिसकी वजह से आज पूरा गांव हरियाली की चादर ओढ़े है। यहां बेटियां और महिलाएं पेड़ों को अपना भाई मानकर हर साल रक्षाबंधन के पर्व पर राखियां बांधती है।

सरपंच ने बदल दी गांव की तस्वीर

राजसमंद जिले के पिपलांत्री गांव पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी अपनी पहचान बनाई हुई है। पूर्व सरपंच व 'पद्मश्री' से सम्मानित श्री श्याम सुंदर पालीवाल ने उनकी बेटी के आकस्मिक निधन के बाद पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इसके बाद वे गांव में बेटियां पैदा होने के बाद 111

राजभवन, असम की त्रैमासिक पत्रिका
राजवाणी
वर्ष-01 * अंक-02 * जून-अगस्त 2023

पौधे लगाने का अभियान शुरू किया और अपने पंचायत क्षेत्र के बंजर भूमि को हरा-भरा कर दिया, जो एक मॉडल के रूप में देश ही नहीं विश्व में उभर कर सामने आया है। यहां हर वर्ष बेटियों के जन्म पर 111 पौधे लगाए जाते हैं और वह परिवार पौधे से पेड़ बनने तक उसका देखभाल करते हैं। वहीं बेटियां यहां पेड़ पौधों को राखियां बांधकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है।

असम में बच्चे पढ़ रहे है पिपलांत्री का पाठ

पिपलांत्री में पर्यावरण संरक्षण एवं कन्या सुरक्षा को लेकर चल रहे कार्यों एवं विशेषकर किरण निधि योजना में नवजात कन्याओं के नाम पर उनकी माताओं द्वारा पौधरोपण किए जाने के सन्दर्भ में असम में स्कूली बच्चों को पढ़ाया जाता है। असम राज्य पाठ्य पुस्तक प्रावधान और प्रकाशन निगम लिमिटेड द्वारा राज्य की कक्षा 9वीं के पाठ्यक्रम में पिपलांत्री का अध्याय शामिल किया गया है, जो अत्यंत हर्ष व गौरव का विषय है। असम में कक्षा 9 की पुस्तक असमिया साहित्य चयन -पहला भाग में ''रोशनी की राह पर गांव'' शीर्षक से चैप्टर है, जिसके लेखक श्री ज्योति प्रसाद बुरागोहाईं हैं। इसमें उक्त अनूठी पहल के बारे में सम्पूर्ण जानकारी देकर नई पीढ़ी को पर्यावरण व कन्या संरक्षण की सीख दी जा रही है। राजस्थान एवं पश्चिम बंगाल में भी स्कूली शिक्षा के पाठ्यक्रमों में पिपलांत्री पर आधारित प्रेरणादायी पाठ शामिल किए जाकर नई पीढ़ी को नवाचारों से जोड़ा जा रहा है।

डेनमार्क के स्कूलों में पढ़ाया जाता है पिपलांत्री मॉडल

डेनमार्क के स्कूलों में पिपलांत्री मॉडल को पढ़ाया जा रहा है। पालीवाल ने लोगों को खेती और पेड़ लगाने के प्रति जागरूक किया है। खेतों की सिंचाई के लिए 4500 चेक डेम बनवाए, सरकारी जमीनों को भू-माफियाओं से छुड़वाया। गांववालों को श्याम सुंदर पालीवाल ने एलोवेरा और आंवला की फसल का सुझाव दिया. गांव में प्लांट भी लगवाया, जिसमें एलोवेरा और आंवला का जूस और इसके साथ ही क्रीम बनाई जाती है, जिन्हें बाजारों में बेचा जाता है।

महामहिम को डी-लिट् की मानद उपाधि

पंडित जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी) विश्वविद्यालय, उदयपुर में महामहिम राज्यपाल गुलाबचन्द कटारिया को डी. लिट की मानद उपाधि प्रदान करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एसएस सारंगदेवोत और कुल प्रमुख भंवर लाल गुर्जर।

उदयपुर के जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय की ओर से 1 सितम्बर 2023 को विश्वविद्यालय के डबोक परिसर में आयोजित 18वें दीक्षांत समारोह में असम के राज्यपाल महामहिम गुलाबचंद कटारिया को डी.लिट् की मानद उपाधि प्रदान की गई। साथ ही प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।

दीक्षान्त समारोह में शिक्षा, भूगोल, सोशल वर्क, कम्प्यूटर एंड आईटी के शोधार्थियों को उनके शोध कार्य के लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। कुलपति कर्नल प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने विद्यापीठ विवि की अब तक की प्रगति के विभिन्न सोपानों की चर्चा करते हुए श्री कटारिया का स्वागत किया।

विशिष्ट अतिथि श्री जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ विवि के कुल प्रमुख श्री बी. एल. गुर्जर थे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय जानी ने की। इससे पूर्व ऋत्विका एवं अकादमिक परिषद के सदस्यों की ओर से दीक्षांत प्रोसेशन निकाला गया। इस अवसर पर एनसीसी के कैडेट्स की ओर से महामहिम श्री कटारिया को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

अपने दीक्षांत उद्बोधन में राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने संस्थापक जन्नूभाई का वंदन करते हुए कहा कि मैं बहुत ही सौभाग्यशाली हूं कि जिस संस्थान में मैं विद्यार्थी के रूप में आया और अध्यापन किया, आज वहां पर सम्मानित व दीक्षित हुआ हूं। श्री कटारिया ने कहा कि डिग्रियां भविष्य के रास्ते खोलती हैं। छात्र को दीक्षांत समारोह के माध्यम से भविष्य का सुनागरिक बनाती हैं। शिक्षा के मंदिर को जितना मजबूत किया जाए, देश उतना ही मजबूत होगा। हर व्यक्ति को समाज के साथ जुड़ना चाहिए व समाज के प्रति अपना कर्तव्य निभाना चाहिए, क्योंकि उसे समाज से ही शिक्षा की प्राप्ति हुई है। समाज के लोगों के जीवन को उच्च स्तर पर ले जाने का प्रयास करना चाहिए ताकि भारत का भविष्य उज्जवल हो सके।

राज्यपाल ने पुरातात्विक स्थल श्री सूर्यपहाड़ का भी किया दौरा

भारत को विश्वगुरु बनाने में दें योगदान

ग्वालपाड़ा जिले की अपनी पहली यात्रा के दौरान 24 जुलाई 2023 को राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने सैनिक स्कूल, ग्वालपाड़ा का दौरा किया। यह राज्य का एकमात्र सैनिक स्कूल है। स्कूल के प्रधानाचार्य ने स्कूल, इसकी सुविधाओं, पाठ्यक्रम और प्रवेश प्रक्रियाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने राज्यपाल को खेल और अन्य क्षेत्रों में छात्रों की सराहनीय उपलब्धियों के साथ-साथ विभिन्न रक्षा परीक्षाओं में छात्रों की सफलता से भी अवगत कराया।

बाद में, स्कूल के शिक्षकों

और छात्रों को संबोधित करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि व्यक्तित्व विकास में अनुशासन की अहम भूमिका होती है। अनुशासन केवल छात्रों के लिए नहीं, बल्कि यह हर व्यक्ति के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है। राज्यपाल ने विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली लड़कियों की सकारात्मक प्रवृत्ति पर भी प्रकाश डाला और देश के विकास में लड़के और लड़कियों दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने सैनिक स्कूल, गोवालपाड़ा को शिक्षा, खेल, तकनीक हर क्षेत्र में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आग्रह किया। राज्यपाल ने स्कूल प्राधिकरण से यह भी आग्रह किया कि बिजली उत्पन्न करने के लिए वे स्कूल परिसर में सौर ग्रिड की स्थापना करें। बाद में, राज्यपाल ने पुरातात्विक स्थल श्री सूर्यपहाड़ का दौरा किया और सूर्यपहाड़ पुरातत्व संग्रहालय का निरीक्षण किया, जो क्षेत्र की समृद्ध ऐतिहासिक विरासत को प्रदर्शित करता है।

केले के बागान का किया दौरा

ग्वालपाड़ा जिले की अपनी यात्रा के दूसरे दिन राज्यपाल ने 25 जुलाई 2023 को जिले में असम-मेघालय सीमा पर स्थित मदंग बखरापारा में केले के बागान का दौरा किया। इस दौरान, राज्यपाल ने एक आदर्श किसान श्री देबब्रत राभा से मुलाकात की, जो 300 बीघे के विशाल केले के बागान का प्रबंधन करते हैं। राज्यपाल ने किसान और बागान से जुड़े अन्य लोगों की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके कठिन परिश्रम के कारण ही जिले में केले की खेती में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। राज्यपाल ने कहा कि सरकार किसानों को सहायता प्रदान करने के लिए पहल कर रही है ताकि वे इस क्षेत्र में आगे बढ़ सकें। केले के बागान का दौरा करने से पहले, राज्यपाल ने जिले के दरंगगिरी में स्थित एशिया के सबसे बड़े केला बाजार का भी दौरा किया। उन्होंने कुछ विक्रेताओं के साथ जिला प्रशासन से मिलने वाली सुविधाओं और समर्थन के साथ-साथ केला निर्यात से संबंधित मामलों पर भी चर्चा की।

जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं इंजीनियर

इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), असम चैप्टर द्वारा 19 अगस्त 2023 को जलवायु परिवर्तन को कम करने में मैकेनिकल इंजीनियरों की भूमिका पर एक सेमिनार आयोजित किया गया था। इस सेमिनार में राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। राज्यपाल ने अपने भाषण में कहा कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से निपटने के लिए टिकाऊ समाधान, नवीन प्रौद्योगिकी विकसित करने और लचीले बुनियादी ढांचे को डिजाइन करने में हमारे इंजीनियर महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 'मिशन लाइफ' का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह मिशन जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान करने के लिए सतत जीवन शैली और उपभोग के सतत पैटर्न को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के दीर्घकालिक प्रभाव पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन का मनुष्यों पर व्यापक प्रभाव पड़ता है, क्योंकि इनसे मानव बस्ती का विस्थापन, खाद्य असुरक्षा, श्वसन संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि जीवाश्म ईंधन पर कम निर्भर होकर सौर, पवन, जलविद्युत जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग कर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम किया जा सकता है।

मॉडल यूनाइटेड नेशंस कांफ्रेंस

असम के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने 27 जुलाई 2023 को कॉटन यूनिवर्सिटी में मॉडल संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के समापन सत्र में भाग लिया। 'कॉटन यूनिवर्सिटी मॉडल यूनाइटेड नेशंस' नामक कार्यक्रम कॉटन यूनिवर्सिटी छात्र संघ और कॉटन यूनिवर्सिटी में नॉर्थ ईस्ट के बौद्धिक मंच द्वारा 25 से 27 जुलाई तक संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन बेहद जरूरी है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए ऐसे सम्मेलन नियमित रूप से आयोजित किए जाने चाहिए। राज्यपाल ने सम्मेलन के आयोजन के लिए कॉटन यूनिवर्सिटी और उत्तर पूर्व के बौद्धिक मंच की भी सराहना की, जो एक ऐसे मंच के रूप में कार्य करता है, जहां पूर्वोत्तर के बुद्धिजीवी वैश्विक समुदाय के लिए क्षेत्र की समृद्ध संस्कृति और विरासत के पोषण और विकास के लिए एक साथ आते हैं। इस कार्यक्रम में असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और त्रिपुरा राज्यों के प्रतिनिधियों सहित 200 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए। इस अवसर पर कॉटन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर रमेश चंद्र डेका, कॉटन यूनिवर्सिटी के अंग्रेजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. मेरी बरुआ, छात्र और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

आईआईटी गुवाहाटी और असम डाउन टाउन विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिय ने पिछली तिमाही में 4 जुलाई 2023 को आईआईटी-गुवाहाटी और फिर 26 अगस्त को असम डाउन टाउन यूनिवर्सिटी के 10वें दीक्षांत समारोह में शिरकत की और डिग्री प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी।

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 4 जुलाई 2023 को भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ और असम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की उपस्थिति में आईआईटी-गुवाहाटी के 25वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया। छात्रों को संबोधित करते हुए, राज्यपाल ने कहा कि अनुसंधान के क्षेत्र में आईआईटी गुवाहाटी विशेष उपलब्धि हासिल करने के साथ ही अपने स्थापना के केवल 25 वर्षों में उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लोगों की आकांक्षाओं को काफी हद तक पूरा करने में सक्षम रहा है।

राज्यपाल ने आगे कहा कि शिक्षा एवं डिग्रियां केवल नौकरी के उद्देश्य तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इससे सामाजिक उत्तरदायित्व तथा राष्ट्र एवं मानवता की सेवा की प्रवृत्ति का पोषण भी होना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा देश की एकता और अखंडता का संदेश फैलाने का माध्यम होनी चाहिए। राज्यपाल ने सभी स्नातकों विशेषकर 406 महिला स्नातकों को आईआईटी गुवाहाटी से डिग्री प्राप्त करने के लिए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।

वहीं 26 अगस्त 2023 को राज्यपाल ने असम डाउन टाउन विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में भाग लिया। अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत समारोह का दिन हर छात्र के जीवन का एक अविस्मरणीय दिन होता है, क्योंकि उस दिन विद्यार्थी को अपनी मेहनत का फल मिलता हुआ नजर आता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का जिक्र करते हुए माननीय राज्यपाल ने कहा कि इस नीति का उद्देश्य सार्वभौमिक उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के साथ-साथ मौलिक जिम्मेदारियों, संवैधानिक मूल्यों और देश के आंतरिक मूल्यों के साथ गहरा संबंध स्थापित करना है। राज्यपाल ने कहा कि देश में वर्तमान शिक्षा प्रणाली भारतीय मूल्यों, नैतिकता और ज्ञान पर आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की दिशा में अग्रसर है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 कौशल और जीवन की अन्य महत्वपूर्ण क्षमताओं को बढ़ावा देने के लिए समग्र शिक्षा देने की दिशा में काम कर रही है। उल्लेखनीय है कि दीक्षांत समारोह में 1064 स्नातक, 349 स्नातकोत्तर और 27 पीएचडी छात्रों को ये पुरस्कार प्रदान किए गए। राज्यपाल ने स्नातक छात्रों को बधाई दी और उनके माता-पिता व अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया। राज्यपाल ने छात्रों को अपने संबोधन के दौरान यह भी घोषणा की कि सर्वश्रेष्ठ स्नातक को दिया जाने वाला स्वर्ण पदक पुरस्कार राजभवन सचिवालय द्वारा सभी सार्वजनिक और निजी विश्वविद्यालयों को दिया जाएगा।

राजभवन, असम की त्रैमासिक पत्रिका
राजवाणी
वर्ष-01 * अंक-02 * जून-अगस्त 2023

राजभवन ने मनाया तेलंगाना और पश्चिम बंगाल का राज्य दिवस

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत राजभवन, असम में तेलंगाना दिवस 2 जून और बंगाल दिवस 20 जून 2023 को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ मनाया गया।

केंद्र सरकार के निर्देश पर 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत 2 जून 2023 को राजभवन, असम में तेलंगाना राज्य दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में असम विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री विश्वजीत दैमारी, तेलंगाना राज्य से संबंधित राज्य प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, राज्य/केंद्र सरकार के कार्यालयों, पीएसयू, निजी संगठनों व उद्यमों में काम करने वाले तेलुगु मूल के अन्य अधिकारियों, पेशेवरों और उनके परिवार के सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर असम विधान सभा के माननीय अध्यक्ष सहित कई आमंत्रित लोगों ने तेलंगाना के इतिहास तथा असम एवं तेलंगाना की आपसी मित्रता पर बात की। इस अवसर पर तेलंगाना की जीवंत संस्कृति को दर्शाने वाला एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंत में सभी ने तेलुगु व्यंजन का आनंद लिया।

वहीं 20 जून 2023 को राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया के नेतृत्व में राजभवन, असम ने राजभवन के दरबार हॉल में पश्चिम बंगाल राज्य दिवस मनाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि राज्य दिवस मनाने की पहल माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की एक सकारात्मक सोच का परिणाम है। इससे भारत की सांस्कृतिक वैभव को सम्मान मिलता है। राज्यपाल ने पश्चिम बंगाल की प्रसिद्ध विभूतियों जैसे विश्व गुरु रवीन्द्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानन्द, श्यामा प्रसाद मुखर्जी आदि के इस देश के लिए अमूल्य योगदान का उल्लेख किया। पश्चिम बंगाल की समृद्ध संस्कृति और असम और पश्चिम बंगाल दोनों के बीच समृद्ध संबंधों को प्रदर्शित करने वाला एक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कार्यक्रम में असम की प्रथम महिला, असम भाषाई अल्पसंख्यक विकास बोर्ड के अध्यक्ष श्री शिलादित्य देव, राजभवन के अधिकारी और कर्मचारी और समाज के विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर किया योगाभ्यास

21 जून 2023 को राजभवन परिसर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में राज्यपाल के साथ प्रथम महिला, राजभवन के अधिकारी, विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक संगठनों के सदस्य, गैर सरकारी संगठन और विभिन्न संगठनों के लोगों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने कहा कि योग हमारे पूर्वजों का दिया हुआ एक अनमोल उपहार है, जिसे हमें संजोकर रखना चाहिए और भावी पीढ़ियों को सौंपना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह एक विज्ञान-आधारित आध्यात्मिक अनुशासन है जो मन और शरीर के बीच सामंजस्य स्थापित करने पर केंद्रित है। यह स्वस्थ जीवन जीने की कला और विज्ञान है। हमें खुद को स्वस्थ रखने के लिए योग को जीवनदायी समृद्धि के रूप में अपनाना चाहिए। राज्यपाल ने आगे कहा कि हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल से ही योग को अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त हुई है। उन्होंने योग की अद्भुत क्षमता को पहचाना और पहली बार 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने इस विचार का प्रस्ताव रखा। राज्यपाल ने कहा कि इस वर्ष योग दिवस का विषय है, 'वसुधेव कुटुंबकम के लिए योग' है, जो योग के साथ-साथ भारत दुनिया को यह अवधारणा दे रहा है कि दुनिया एक परिवार है।

राज्यपाल ने शारीरिक और मानसिक स्वस्थता बनाए रखने के लिए सभी से नियमित योगाभ्यास करने की अपील की। उल्लेखनीय है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2023 पर इस बार 18 जून 2023 से राजभवन में तीन दिवसीय योगाभ्यास सत्र का आयोजन किया गया था।

देश भक्ति दिवस : स्व. तरुण राम फुकन को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

राजभवन, असम में भी देश भक्त स्व. तरुण राम फुकन की पुण्यतिथि 28 जुलाई 2023 को देश भक्ति दिवस के रूप में मनाया गया। असम की प्रथम महिला श्रीमती अनीता कटारिया के साथ राज्यपाल के आयुक्त एवं सचिव श्री एस.एस.मीनाक्षी सुंदरम और राजभवन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्व. तरुण राम फुकन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर आयुक्त श्री सुंदरम ने स्वतंत्रता संग्राम में देश भक्त तरुण राम फुकन के योगदान को याद करते हुए कहा कि हमें इस महान देशभक्त के आदर्शों का अनुसरण करना चाहिए।

अभाविप के 75वें स्थापना दिवस का समापन समारोह

गुवाहाटी में 18 जून 2023 को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), असम प्रदेश के 75वें स्थापना दिवस समारोह के समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर अपना विचार रखते हुए राज्यपाल ने कहा कि देश का सबसे पुराना छात्र संघ होने के नाते, अभाविप ने भारत की नियति को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अभाविप के मिशन और दृष्टिकोण ने सभी के लिए शिक्षा सुनिश्चित करने, भ्रष्टाचार से लड़ने, गरीबी उन्मूलन सहित अन्य कार्यों के लिए प्रेरित किया है। इसने देश के नागरिकों के बीच एकता को बढ़ावा देने के लिए लगातार प्रयास किया है। राज्यपाल ने आगे कहा कि आज की चुनौतियों से निपटने के लिए, अभाविप को छात्रों और वंचितों के उत्थान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

15वां रासेश्वर सैकिया बरबायन सत्रीय पुरस्कार समारोह

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 8 जुलाई 2023 को, गुवाहाटी में आयोजित एक कार्यक्रम में श्री शशधर आचार्य और श्री करुणा बोरा को वर्ष 2023 के लिए 15वें रसेश्वर सैकिया बरबायन सत्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया।

कार्यक्रम का आयोजन संस्कृति विभाग, भारत सरकार और भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के सहयोग से संगीत सत्र, गुवाहाटी (एक सांस्कृतिक संगठन) द्वारा किया गया था। इस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव और माधवदेव ने राज्य की सामाजिक-सांस्कृतिक समृद्धि में अविस्मरणीय योगदान दिया है।

राज्यपाल ने असम के महान विद्वान डॉ. महेश्वर नेओग के प्रति भी अपना सम्मान व्यक्त किया, जिन्होंने संगीत सत्र और बरबायन रसेश्वर सैकिया सत्रीया पुरस्कार की परिकल्पना में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राज्यपाल ने पुरस्कार विजेताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं भी दीं।

कृष्ण कांत हैंडिक स्मृति व्याख्यान

गुवाहाटी में 20 जुलाई 2023 को राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने कृष्ण कांत हैंडिक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय (केकेएचएसओयू) के परिसर में 9वीं कृष्ण कांत हैंडिक मेमोरियल व्याख्यानमाला में भाग लिया। अपने संबोधन के दौरान, राज्यपाल ने कहा कि कृष्णकांत हैंडिक एक प्रकांड विद्वान थे। हैंडिक जी ने हमें ज्ञान और विद्वता की विरासत दी है, जिससे हर कोई को प्रेरणा मिलती है। राज्यपाल श्री कटारिया ने टिप्पणी की कि उनके नाम और सम्मान में केकेएचएसओयू की स्थापना उनके प्रति असम और असमवासियों की एक सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने यह भी कहा कि गौहाटी विश्वविद्यालय के पहले कुलपति के रूप में, कृष्णकांत हैंडिक ने न केवल असम के लिए, बल्कि पूरे उत्तर पूर्व क्षेत्र के लिए ज्ञान प्रसार के द्वार खोले।

राज्य में एकमात्र खुला विश्वविद्यालय होने के कारण, इसकी जिम्मेदारी उन लोगों को शिक्षित करने के प्रति अधिक है, जो विभिन्न कारणों से अपनी पढ़ाई जारी रखने में असमर्थ रहे। यह विश्वविद्यालय ऐसे लोगों को शिक्षा प्रदान करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करना चाहिए। राज्यपाल ने इस बात पर भी जोर दिया कि राज्य में उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) पीछे है और केकेएचएसओयू को इस बिंदु पर सक्रिय रूप से ध्यान देना चाहिए।

कार्यक्रम में केकेएचएसओयू के कुलपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद दास, श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. ध्रुवज्योति बोरा, वर्धमान महावीर मुक्त विश्वविद्यालय, राजस्थान के कुलपति डॉ. कैलाश सोडाणी, उद्यमी श्री अभिजीत बरुवा और केकेएचएसओयू के सभी डीन और संकाय सदस्य उपस्थित थे।

राष्ट्र के विकास के लिए निष्ठा के साथ करें काम

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 6 अगस्त 2023 को गुवाहाटी में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा के एक कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम में आध्यात्मिक गुरु एवं आचार्य श्री महाश्रमण जी की शिष्या साध्वी सुवर्णरेखाजी उपस्थित थीं। राज्यपाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि आचार्य श्री महाश्रमणजी द्वारा दिया गया अहिंसा का संदेश लोगों को शांति का सार प्रदान कर रहा है। राष्ट्र निर्माण पर जोर देते हुए राज्यपाल श्री कटारिया ने कहा कि प्रत्येक मनुष्य का यह परम दायित्व है कि वह अपने घर, परिवार, समाज और राष्ट्र के हित में पूरी निष्ठा से कार्य करे, जो अंततः राष्ट्र निर्माण में सहायक होगा।

राज्यपाल ने यह भी कहा कि आचार्य श्री महाश्रमणजी द्वारा दिया गया अहिंसा का संदेश लोगों को शांति प्रदान कर रहा है। उनकी यात्रा का मुख्य लक्ष्य सद्भावना, नैतिकता और नशामुक्ति है, जिससे देश की युवा पीढ़ी प्रेरणा ले सके। उन्होंने यह भी कहा की कि बच्चों को संतों व महात्माओं द्वारा सुझाए गए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए

और हमें एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण करना चाहिए जो देशभक्ति से भरी हो। हमें अपनी नई पीढ़ी के लिए भी एक परिदृश्य बनाना चाहिए। उन्हें हमारे देशभक्तों के योगदान, उनक बलिदान के बारे में बताना चाहिए। हमें शिक्षा का प्रसार करना चाहिए, वैज्ञानिक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण की भावना रखना ही सच्ची राष्ट्र सेवा है।

शिक्षा के साथ सांस्कृतिक एवं सामाजिक मूल्य जरूरी

राज्यपाल ने 20 अगस्त 2023 को गुवाहाटी के पीडब्ल्यूडी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित असम चाय जनगोष्ठी शिक्षा संस्कृति न्यास (एसीजेएसएसएन) के तीसरे स्थापना दिवस समारोह में भाग लिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों से युक्त शिक्षा छात्रों के व्यक्तित्व के समग्र विकास की आधारशिला है। उन्होंने यह भी कहा कि संस्कृति शिक्षा को समृद्ध करती है और छात्रों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए सशक्त बनाती है। उन्होंने एसीजेएसएसएन से बच्चों की शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने को कहा, जिससे उन्हें एक अच्छा इंसान बनने में मदद मिलेगी। युवाओं के विकास और मार्गदर्शन करने में भूमिका के लिए असम चाय जनगोष्ठी शिक्षा संस्कृति न्यास की सराहना करते हुए राज्यपाल ने कहा कि राज्य के दूरदराज क्षेत्रों में भी न्यास बच्चों और युवाओं के बीच ज्ञान और ज्ञान का मार्ग प्रज्वलित करने में सक्षम है। राज्यपाल ने कहा कि इसके समर्पित प्रयासों ने युवाओं को अपने समाज के विकास के लिए सोचने और कार्य करने के लिए प्रेरित किया है।

सेवा भारती कामाख्या ट्रस्ट के नए छात्रावास का उद्घाटन

24 अगस्त 2023 को सेवा भारती के वार्षिक समारोह में राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने भाग लिया। इस मौके पर उन्होंने गुवाहाटी में सेवा भारती कामाख्या नगर चैरिटेबल और धार्मिक ट्रस्ट के नए छात्रावास का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में सेवा को सर्वोपरि माना गया है। नि:स्वार्थ सेवा जीवन का मंत्र है। राज्यपाल ने स्वामी विवेकानन्द के कथन 'केवल उन्हीं का जीवन, जीवन है जो दूसरों के लिए जीते हैं। अन्य सब तो जीवित होने से अधिक मृत हैं' का उल्लेख करते हुए सभी को इसे अपने व्यक्तिगत जीवन में अपनाने की सलाह दी। उन्होंने आगे कहा कि जन कल्याण और सामाजिक कार्यों में लगे संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को लोगों को समाज सेवा के लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि समाज की प्रमुख हस्तियों को दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करने के लिए नि:स्वार्थ सेवा में शामिल होना चाहिए। राज्यपाल ने समाज को नि:स्वार्थ सेवा प्रदान करने और लोगों के बौद्धिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक पहलुओं को समृद्ध करने के लिए सेवा भारती के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि ट्रस्ट समाज में गुणात्मक और नैतिक परिवर्तन लाने के सकारात्मक इरादे से काम कर रहा है इस अवसर पर सेवा भारती के पदाधिकारी, प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता, औद्योगिक घरानों के प्रतिनिधि, छात्र और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

नामफाके बौध स्थल, नाहरकटिया

बटद्रवा थान, नगांव

सूर्यपहाड़ पुरातत्व संग्रहालय, ग्वालपाड़ा

भीमाशंकर मंदिर, पामोही, गुवाहाटी

महामृत्युंजय मंदिर, नगांव

महामाया मंदिर, धुबड़ी

परशुराम कुण्ड, अरुणाचल प्रदेश

नई दिल्ली में राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु का अभिवादन करते राज्यपाल।

गौहाटी हाईअड्डे पर उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ का स्वागत करते राज्यपाल।

आईआईटी गुवाहाटी में दीक्षांत समारोह से पूर्व पौधरोपण करते हुए।

बरपेटा थान का दौरा करते राज्यपाल।

धुबड़ी में अशारीकांडी टेराकोटा गांव के स्थानीय लोगों द्वारा बनाई गई कलाकृति को देखते हुए।

डिमा हसाउ में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण करते हुए।

धुबड़ी-फुलबाड़ी पुल के निर्माण कार्य का जायजा लेते हुए।

श्री श्री अनिरुद्धदेव स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का दौरा

राज्य में खेल वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 9 जून 2023 को जिला आयुक्त, श्रीश्री अनिरुद्धदेव स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी (एसएसएएसयू) के कुलपति और राज्य खेल एवं युवा कल्याण विभाग के प्रमुख अधिकारियों के साथ डिब्रुगढ़ में एक बैठक की अध्यक्षता की। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं।

राज्यपाल ने राज्य में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की जरूरतों और क्षमता पर जोर दिया और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को विश्वविद्यालय की सीमा का सीमांकन करने के लिए खंभे और लोहे की बाड़ लगाने और विश्वविद्यालय के परामर्श से जल्द से जल्द मास्टर प्लान बनाने का निर्देश दिया। राज्यपाल ने उस स्थान का भी दौरा किया जहां स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बनाया जा रहा है। उन्होंने डिब्रूगढ़ में बन रहे बहु-उद्देश्यीय खेल परिसर का दौरा किया और इसके उपलब्ध बुनियादी ढांचे का आकलन किया।

बाद में, राज्यपाल ने डिब्रूगढ़ में डीएचएसके कॉलेज का दौरा किया। राज्यपाल ने उसी जिले के नाहरकटिया में नामफाके बौद्ध मठ का भी दौरा किया और इसे एक ऐतिहासिक पर्यटन स्थल में बदलने में अपने समर्थन का आश्वासन दिया।

राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप का किया उद्घाटन

गतका फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में और असम गतका एसोसिएशन द्वारा 4 अगस्त 2023 को गुवाहाटी में 7वीं राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप 2023 का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस उद्घाटन समारोह में राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।

समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि गतका सिखों की पारंपरिक मार्शल आर्ट है, जिसका उपयोग आत्मरक्षा और खेल के रूप में किया जाता है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि 'गतका' का नाम श्री गुरु हरगोबिंद साहिब ने रखा था और इसे 17वीं शताब्दी में सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह महाराज ने चलाया था। राज्यपाल ने आगे कहा कि खेल आत्मविश्वास पैदा करता है। साथ ही यह चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाता है। राज्यपाल ने गतका को राज्य स्तर से राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ावा देने के लिए नेशनल गतका एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनजीएआई) और गतका फेडरेशन ऑफ इंडिया (जीएफआई) की सराहना की।

उल्लेखनीय है कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2021 के बाद अब गतका को 37वें नेशनल गेम्स में शामिल किया गया है, जो इसी साल गोवा में होने वाला है।

गजराज युद्ध स्मारक पर वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने अपने शोणितपुर जिले के दौरे के दौरान 29 जून 2023 को जिले के तेजपुर में भारतीय सेना की पूर्वी कमान के 4-कोर के मुख्यालय में प्रसिद्ध गजराज युद्ध स्मारक का दौरा किया। यहां उन्होंने 1962 के युद्ध में देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर राज्यपाल ने कहा कि सैनिकों द्वारा दिखाया गया जज्बा सशस्त्र बलों के असली सार को प्रदर्शित करता है। उन्होंने उनके समर्पण और बलिदान की भावना की सराहना करते हुए कहा कि वीर सैनिकों का बलिदान मातृभूमि के प्रति उनके साहस और प्रेम का सच्चा प्रमाण था। सशस्त्र बलों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला, जो देश की सीमाओं की सुरक्षा और जीवन की सुरक्षा से कहीं आगे तक फैली हुई है। उन्होंने संकट के समय उनके जबरदस्त प्रयासों को प्रदर्शित करते हुए उनके असाधारण मानवीय प्रयासों की सराहना की।

तेजपुर में मानसिक स्वास्थ्य संस्थान का भी लिया जायजा

राज्यपाल ने बाद में तेजपुर में एलजीबी क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान का दौरा किया। यात्रा के दौरान, संस्थान के निदेशक ने एक प्रस्तुति दी, जिसमें संस्थान के इतिहास, शैक्षणिक कार्यक्रमों, सुविधाओं और अनुसंधान कार्य दिखाए गए। मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में संस्थान की भूमिका की सराहना करते हुए राज्यपाल ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर आम जनता के बीच जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता पर जोर दिया। राज्यपाल ने मरीजों से बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। माननीय राज्यपाल ने संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं का भी जायजा लिया। राज्यपाल ने संस्थान में उपलब्ध सुविधाओं का भी जायजा लिया। राज्यपाल ने उच्च गुणवत्ता वाली मानसिक स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के लिए संस्थान के समर्पण की पुष्टि करते हुए, रोगियों को प्रदान की गई बुनियादी सुविधाओं पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की।

संक्षिप्त खबरें

रोबोटिक सर्जरी पर पत्रिका का विमोचन

माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 11 जून 2023 को, गुवाहाटी में आयोजित एक समारोह में 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रोबोटिक एंड इनोवेटिव सर्जरी' के प्रथम अंक का विमोचन किया। यह जर्नल एसोसिएशन ऑफ रोबोटिक एंड इनोवेटिव सर्जन्स का एक आधिकारिक प्रकाशन है, जो उन्नत रोबोटिक और इनोवेटिव सर्जरी के क्षेत्र में हो रहे कार्यों को एक मंच प्रदान करेगा।

अनियमितता के लिए जांच कमेटी गठित

बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय में अनियमितता के आरोपों को लेकर माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया ने 26 जुलाई 2023 को एक उच्च स्तरीय जांच कमेटी का गठन किया। उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री बिश्वरंजन सामल को इस कमेटी का चेयरमैन तथा आईआईटी, गुवाहाटी के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के शिक्षक डॉ. ए.के. देब और तेजपुर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी डॉ. बी.बी. मिश्रा को सदस्य नियुक्त किया गया। उन्हें बोड़ोलैंड विश्वविद्यालय में अनियमितता के मामले की जांच कर एक महीने में रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया गया।

सम्मान समारोह में माननीय राज्यपाल की विद्यार्थियों से अपील

युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा बनें

माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने 27 जन 2023 को गुवाहाटी महानगर के माछखोवा स्थित प्राग्ज्योतिष आईटीए सेंटर में आयोजित बधाई समारोह में साई विकास एडुकेशनल इंस्टीट्यूशन के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। इनमें बारहवीं कक्षा की परीक्षा, जेईई, एनईईटी, ओलंपियाड और एनटीएसई परीक्षाओं में उत्कृष्ट परिणाम हासिल करने वाले विद्यार्थी शामिल थे। इस मौके पर राज्यपाल श्री कटारिया ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनके अपार समर्पण का प्रतिफल है। ये उपलब्धियां न केवल आपके माता-पिता और शिक्षकों को गौरवान्वित करती हैं, बल्कि संकेत भी देती है कि आप समाज के महत्वपूर्ण खजाने हैं। ये उपलब्धियाँ आपमें उत्साह भरेंगी और अन्य युवाओं को भी प्रेरित करेंगी। इसलिए आप भविष्य की यात्रा में सफलता के पथ पर आगे बढ़ें और दूसरों के लिए भी प्रेरणा बनें।

अपनी प्रतिभा और कौशल को निखारें

जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (JITO) के नॉर्थ ईस्ट गुवाहाटी चैप्टर द्वारा 10 जून 2023 को सेबा, सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड 10वीं और 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले जैन समुदाय के मेधावी छात्रों को सम्मानित करने के उद्देश्य से गुवाहाटी के पानबाजार स्थित डॉन बॉस्को स्कूल के प्रेक्षागृह में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया ने बच्चों को उनकी उपलब्धि के लिए बधाई दी और कहा कि आज का आधुनिक जीवन काफी चुनौतीपूर्ण है। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए व्यक्ति को लगातार अपनी प्रतिभा और कौशल को निखारना चाहिए। इसलिए भविष्य में सफल होने के लिए आप भी अपनी प्रतिभा और कौशल को निखारें।

GOVERNOR'S SECRETARIAT